Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 01-03-2023**

बेस्ट स्टॉल श्रेणी में कोडिंग क्लब को प्रथम पुरस्कार

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर हकेंवि में विशेषज्ञ व्याख्यान व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में डॉ. सीवी रमन की याद में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप सहिजपाल ने ए कॉस्मिक जर्नी: गैलेक्सिज टू प्लेनेट्स, हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड विजेता प्रो. एलोरा सेन ने माडर्न साइंस मिट्स ट्रेडिशनल मेडिसन विषय पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने अपने संबोधन में विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन पर जोर देते हुए कहा कि स्व भाषा में मौलिक चिंतन से ही भारत विश्व स्तर पर विज्ञान के क्षेत्र में उपनी उपस्थिति दर्ज करा सकता है।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। संवाद

विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहीं और बीती 24 फरवरी को आयोजित चंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विज्ञान को समझने के लिए अवश्य ही उस माध्यम को अपनाना चाहिए जिसमें हम सहज हों फिर वो चाहे भाषा की बात हो या फिर पुरातन संस्कृति से मिलने वाले ज्ञान की बात हो। आज विदेशी वैज्ञानिक जिन पक्षों को नई खोज के रूप में प्रस्तुत करते नजर आते हैं।

113 विजेताओं को पुरस्कृत किया

विशेषज्ञ वक्ता डॉ. एलोरा सेन ने परंपरागत उपचार पद्धतियों को लेकर विस्तार से बताया कि किस तरह से भारतीय आयुर्वेद में इनका प्रचलन रहा है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भाषण, पोस्टर, पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं सहित आइडिया ऑफ इनोवेशन, आइडिया ऑफ न्यू स्टार्टअप, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट और वर्किंग मॉडल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय 113 विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। बेस्ट स्टॉल श्रेणी में हकेवि के कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के कोडिंग क्लब को प्रथम, बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंस विभाग को द्वितीय व योग विभाग को तृतीय पुरस्कार दिए गए।

स्कूल के छात्रों को किया सम्मानित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में 24 से 28 फरवरी को विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें बीआर स्कूल सेहलंग के विद्यार्थियों द्वारा बनाया प्रोजेक्ट बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक विश्वविद्यालय प्रो. टंकेश्वर कुमार व आयोजन में विशेषज्ञ के रूप में पंजाब विश्वविद्यालय के प्रो. संदीप सहिजपाल व हरियाणा विज्ञान रत्न अवॉर्ड विजेता प्रो. एलोरा सेन उपस्थित रहे। इस अवसर पर उप संचालक कृष्ण भारद्वाज, वाइस प्रिंसिपल ज्योति भारद्वाज, राजकुमार, राजपाल, बिजेंद्र सिंह, महिमा, नीतू कूकड़, इंद्र यादव उपस्थित रहे। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 01-03-2023**

विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन है अहम

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में डा. सीवी रमन की याद में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप सहिजपाल ने ए कास्मिक जर्नी गैलेक्सिज टू प्लेनेट्स व हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड विजेता प्रो. एलोरा सेन ने माडर्न साइंस मिट्स ट्रेडिशनल मेडिसन विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन पर जोर दिया और कहा कि स्व भाषा में मौलिक चिंतन से ही भारत विश्व स्तर पर विज्ञान के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकता है। विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रही। बीती 24 फरवरी को आयोजित वंडर्स आफ इनोवेशन के अंतर्गत

आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम में प्रो. संदीप सहिजपाल को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. संस्था

इससे पूर्व में विज्ञान दिवस कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण देते हुए विश्वविद्यालय में 24 फरवरी को आयोजित विशेष प्रतियोगिताओं व प्रदर्शनियों के विषय में जानकारी दी और कहा कि इस आयोजन में 400 से अधिक

स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रतिभागी शामिल हुए। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी पुरातन ज्ञान का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें अपनी ज्ञान परंपरा को ध्यान में रखते हुए नई खोज की ओर आगे बढ़ना चाहिए। विशेषज्ञ वक्ता डा. एलोरा सेन ने परंपरागत उपचार पद्धतियों को लेकर विस्तार से बताया कि किस तरह से भारतीय आयुर्वेद में इनका प्रचलन रहा है। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्पीच, पोस्टर, पेंटिंग, क्विज प्रतियोगिताओं सहित आइडिया आफ इनोवेशन, आइडिया आफ न्यू स्टार्टअप, बेस्ट आउट आफ वेस्ट और वर्किंग माडल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय 113 विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. एके यादव, प्रो. गुंजन गोयल व प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 01-03-2023**

हकेंवि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

मौलिक चिंतन के माध्यम से ज्ञान का विकास करें

कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में डॉ. सीवी रमन की याद में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप सहिजवाल ने हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड विजेता प्रो. एलोरा सेन ने माडर्न साइंस मिट्स ट्रेडिशनल मेडिसन विषय पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने अपने संबोधन में विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन पर जोर दिया और कहा कि स्व भाषा में मौलिक चिंतन से ही भारत विश्व स्तर पर विज्ञान के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रही और बीती 24 फरवरी को आयोजित वंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते कुलपति। फोटो : हरिभूमि

विज्ञान दिवस मनाया

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत आज का दिन नोबल पुरस्कार पाने वाले महान वैज्ञानिक डॉ. सीवी रमन के योगदान को याद करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाता है। हमें विज्ञान को समझने के लिए अवश्य ही उस माध्यम को अपनाना चाहिए, जिसमें हम सहज हों फिर वो चाहे भाषा की बात हो या फिर पुरातन संस्कृति से मिलने वाले ज्ञान की। कुलपति ने कहा कि आज विदेशी वैज्ञानिक जिन पक्षों को नई खोज के रूप में प्रस्तुत करते नजर आते हैं। उनका उल्लेख हमारे पुरातन वेद-पुराणों में देखने को मिलता है। आज जरूरत है उस ज्ञान को प्रमाण के साथ प्रस्तुत करने की। इसलिए मेरी नौजवान पीढ़ी से यही अपील है कि वह मौलिक चिंतन के माध्यम से अपने ज्ञान का विकास करें। इससे पूर्व में विज्ञान दिवस कार्यक्त्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण देते हुए विश्वविद्यालय में 24 फरवरी को आयोजित विशेष प्रतियोगिताओं व प्रदर्शनियों के विषय में जानकारी दी और कहा कि इस आयोजन में 400 से अधिक स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय के प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में प्रो. पवन कुमार मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. एके यादव, प्रो. गुंजन गोयल व प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

नई खोज की ओर बढ़ें

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी अपने संबोधन में पुरातन ज्ञान का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें अपनी ज्ञान परम्परा को ध्यान में रखते हुए नई खोज की ओर आगे बढ़ना चाहिए। अनेकों सवालों के जवाब हमारे प्राचीन ग्रंथों में उपलब्ध है। आवश्यकता है उन्हें पढ़कर आगे बढ़ने की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Human India **Date: 01-03-2023**

विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन से ही मिलेगी सफलता : प्रो. टंकेश्वर कुमार

- हकेवि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित
- पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप सहिजपाल व हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड विजेता प्रो. एलोरा सेन रहीं उपस्थित

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेन्द्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में डॉ. सी.वी. रमन की याद में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप सहिजपाल ने ए कॉस्मिक जर्नी: गैलेक्सिज टू प्लेनेट्स व हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड विजेता प्रो. एलोरा सेन ने माडर्न साइंस मिट्स ट्रेडिशनल मेडिसन विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने अपने संबोधन में विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन पर जोर दिया और कहा कि स्व भाषा में मौलिक चिंतन से ही भारत विश्व स्तर पर विज्ञान के क्षेत्र में उपनी उपस्थिति दर्ज करा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहीं और बीती 24 फरवरी को आयोजित वंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय केकुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत आज का दिन नोबल पुरस्कार पाने वाले महान वैज्ञानिक डॉ. सी.वी रमन के योगदान को याद करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाता है। हमें विज्ञान को समझने के लिए अवश्य ही उस माध्यम को अपनाना चाहिए, जिसमें हम सहज हों फिर वो चाहे भाषा की बात हो या फिर पुरातन संस्कृति से मिलने वाले ज्ञान की। कुलपति ने कहा कि आज विदेशी वैज्ञानिक जिन पक्षों को नई खोज के रूप में प्रस्तुत करते नजर आते हैं। उनका उल्लेख हमारे पुरातन वेद-पुराणों में देखने को मिलता है। आज जरूरत है उस ज्ञान को प्रमाण के साथ प्रस्तुत करने की। इसलिए मेरी नौजवान पीढ़ी से यही अपील है कि वह मौलिक चिंतन के माध्यम से अपने ज्ञान का विकास करें। इससे पूर्व में विज्ञान दिवस कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण देते हुए विश्वविद्यालय में 24 फरवरी को आयोजित विशेष प्रतियोगिताओं व प्रदर्शनियों के विषय में जानकारी दी और कहा कि इस आयोजन में 400 से अधिक स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय के प्रतिभागी शामिल हुए। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी अपने संबोधन में पुरातन ज्ञान का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें अपनी ज्ञान परम्परा को ध्यान में रखते हुए नई खोज की ओर आगे बढ़ना चाहिए। अनेकों सवालों के जवाब हमारे प्राचीन ग्रंथों में उपलब्ध है। आवश्यकता है उन्हें पढ़कर आगे बढ़ने की।

विशेषज्ञ व्याख्यान देते हुए प्रो. संदीप सहिजपाल ने बड़े ही रोचक अंदाज में ब्रह्मांड से जुड़े रहस्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस क्षेत्र में लगातार जारी शोध व उसके परिणामों और उसमें उपलब्ध शोध की संभावनाओं को विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से सूर्य व अन्य ग्रह विकसित हुए और उन पर जीवन की शुरुआत के पीछे का ज्ञान क्या है। इस मौके पर उन्होंने विद्यार्थियों के द्वारा प्रस्तुत जिज्ञासाओं का समाधान भी प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान कभी भी पूर्ण नहीं होता है और एक नई खोज के बाद शोध की अनिगत संभावनाएं विकसित होती हैं। इसलिए सदैव नया करने के लिए तत्पर रहना चाहिए। इसी क्रम में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. एलोरा सेन ने परम्परागत उपचार पद्धतियों को लेकर विस्तार से बताया कि किस तरह से भारतीय आयुर्वेद में इनका प्रचलन रहा है। उन्होंने मुलेठी का उल्लेख करते हुए बताया कि वह स्वास्थ्य के लिए किस हद तक लाभदायक है और उससे संबंधित शोध परिणामों को भी सांझा किया। डॉ. एलोरा सेन ने सवाल जवाब सत्र के दौरान कहा कि आवश्यकता के अनुरूप हमें परम्परागत उपचार के उपायों व आधुनिक उपचार का चयन करना होता है। दोनों ही उपयोगी है और परिणाम देते हैं। कोरोना काल में हम एक बार फिर से परम्परागत उपचार की ओर बढ़े है जो कि अच्छे संकेत हैं। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्पीच, पोस्टर, पेंटिंग, क्विच प्रतियोगिताओं सहित आइडिया ऑफ इनोवेशन, आइडिया ऑफ न्यू स्टार्टअप, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट और वर्किंग मॉडल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय 113 विजेताओं को पुरस्कृत किया। बेस्ट स्टॉल श्रेणी में हकेवि के कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के कोडिंग क्लब को प्रथम, बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंस विभाग को द्वितीय व योग विभाग को तृतीय पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में 400 से अधिक प्रतिभागी स्कूल व विश्वविद्यालय श्रेणी के अंतर्गत शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में प्रो. पवन कुमार मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. ए.के. यादव, प्रो. गुंजन गोयल व प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 01-03-2023**

Expert lecture and prize distribution ceremony organized on National Science Day in CUH

Deepti Arora
info@impressivetimes.com

MAHENDEGARH : On the occasion of National Science Day an expert lecture was organized on Tuesday in Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. As an expert speaker in this program, Prof. Sandeep Sahijpal of Panjab University delivered a lecture on 'A Cosmic Journey: Galaxies to Planets' and Haryana Vigyan Ratna Award winner Prof. Ellora Sen delivered a lecture on the topic Modern Science Meets Traditional Medicine. The program was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar. In his address, he emphasized on fundamental thinking in the field of science and said that India can register its presence in the field of science at the world level only by fundamental thinking in its own language. On this occasion, the first woman of the University, Prof. Sunita Srivastava and Pro Vice-Chancellor Prof. Sushma Yadav was present and awarded the winners of various competitions organized under Wonders of Innovation held on 24th February. Prof. Tankeshwar Kumar said that India celebrates today as National Science Day remembering the contribution of Nobel laureate Dr. CV Raman. To understand science, we must adopt that medium in which we are comfortable, whether it is a matter of language or the knowledge we get from ancient culture. The Vice Chancellor said that today foreign scientists are seen presenting the aspects as new discoveries, the reference of which is found in our ancient Vedas and Puranas. Today there is a need to present that knowledge with evidence. That's why I appeal to the young generation to develop their knowledge through original thinking.

"THE VICE CHANCELLOR SAID THAT TODAY FOREIGN SCIENTISTS ARE SEEN PRESENTING THE ASPECTS AS NEW DISCOVERIES, THE REFERENCE OF WHICH IS FOUND IN OUR ANCIENT VEDAS AND PURANAS. TODAY THERE IS A NEED TO PRESENT THAT KNOWLEDGE WITH EVIDENCE.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 01-03-2023**

विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन से ही मिलेगी सफलता : प्रो. टंकेश्वर कुमार

ह.के.वि. में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

महेंद्रगढ़, 28 फरवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.के.वि.), महेंद्रगढ़ में डा. सी.वी. रमन की याद में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप सहिजपाल ने ए कॉस्मिक जर्नी: गैलेक्सिज टू प्लैनेट्स व हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड विजेता प्रो. एलोरा सेन ने माडर्न साइंस मिट्स ट्रेडिशनल मेडिसन विषय पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने अपने संबोधन में विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन पर जोर दिया और कहा कि स्व भाषा में मौलिक चिंतन से ही भारत विश्व स्तर पर विज्ञान के क्षेत्र में उपनी उपस्थिति

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

दर्ज करवा सकता है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहीं और बीती 24 फरवरी को आयोजित वंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत आज का दिन नोबल पुरस्कार पाने वाले महान वैज्ञानिक डा. सी.वी. रमन के योगदान को याद करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाता है।

हमें विज्ञान को समझने के लिए अवश्य ही उस माध्यम को अपनाना चाहिए, जिसमें हम सहज हों फिर वो चाहे भाषा की बात हो या फिर पुरातन संस्कृति से मिलने वाले ज्ञान की।

विशेषज्ञ व्याख्यान देते हुए प्रो. संदीप सहिजपाल ने बड़े ही रोचक अंदाज में ब्रह्मांड से जुड़े रहस्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस क्षेत्र में लगातार जारी शोध व उसके परिणामों और उसमें उपलब्ध शोध की संभावनाओं को विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया।

इसी क्रम में विशेषज्ञ वक्ता डा. एलोरा सेन ने परम्परागत उपचार पद्धतियों को लेकर विस्तार से बताया कि किस तरह से भारतीय आयुर्वेद में इनका प्रचलन रहा है।

डा. एलोरा सेन ने सवाल जवाब सत्र के दौरान कहा कि आवश्यकता के अनुरूप हमें परम्परागत उपचार के उपायों व आधुनिक उपचार का चयन करना होता है।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्पीच, पोस्टर, पेंटिंग, क्विज प्रतियोगिताओं सहित आइडिया ऑफ इनोवेशन, आइडिया ऑफ न्यू स्टार्टअप, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट और वर्किंग मॉडल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय 113 विजेताओं को पुरस्कृत किया।

बैस्ट स्टॉल श्रेणी में ह.के.वि. के कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के कोडिंग क्लब को प्रथम, बी.वॉक. बायोमैडीकल साइंस विभाग को द्वितीय व योग विभाग को तृतीय पुरस्कार दिए गए।

कार्यक्रम के संयोजक प्रो. राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में 400 से अधिक प्रतिभागी स्कूल व विश्वविद्यालय श्रेणी के अंतर्गत शामिल हुए।

कार्यक्रम के अंत में प्रो. पवन कुमार मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. ए.के. यादव, प्रो. गुंजन गोयल व प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 01-03-2023**

राहत

परिवहन मंत्री के आदेश के बाद जीएम ने दिए निर्देश

अब हकेंवि के सामने रुकेंगी रोडवेज बसें

संवाद न्यूज एजेंसी

नारनौल। जाट पाली गांव स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अब आवागमन में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आएगी। अब सभी रोडवेज बसें केंद्रीय विश्वविद्यालय से विद्यार्थियों को उतारकर व चढ़ाकर ही अपने गंतव्य को जाएंगी। फिलहाल लंबे रूट की बसों की यहां स्टॉपिज नहीं थी। इसके अलावा कुछ अन्य चालक भी बसों को नहीं रोकते थे लेकिन अब सभी प्रकार की बसें यहां रुकेगी। यह आदेश रोडवेज जीएम ने भिवानी-दादरी-नारनौल रूट पर चलने वाले सभी चालक-परिचालकों को दिए हैं।

जारी निर्देशों में कहा गया है कि नारनौल आगार के नारनौल-दादरी-भिवानी मार्ग पर चलने वाले सभी चालक-परिचालक अब अपने वाहन को केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली बस अड्डे पर बसों को रोकेंगे और छात्र-छात्राओ को उतारेंगे और चढ़ाएंगे। इस बारे में किसी चालक या परिचालक बारे कोई शिकायत कार्यालय में प्राप्त होती है तो संबंधित के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

परिवहन मंत्री से की थी मांग

प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा 16 फरवरी को केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आए थे। यहां छात्र-छात्राओं की मांग पर परिवहन मंत्री से विवि प्रशासन ने बसों को रुकवाने की मांग की थी। इस पर मंत्री ने जीएम को सभी बसों के ठहराव के आदेश दिए थे। इस पर अब यह कार्रवाई शुरू हुई है।

एक कर्मचारी की ड्यूटी भी लगाई गई

जाट पाली गांव के बस अड्डे पर बसों के ठहराव कराने के लिए जीएम की तरफ से नियमित रूप से एक कर्मचारी की ड्यूटी भी लगाई गई है। यह कर्मचारी आने-जाने वाली सभी बसों को रुकवाने का काम करेगा ताकि छात्रों को कोई दिक्कत नहीं आए।

"विवि की तरफ से बसों के ठहराव की मांग की गई थी। मंत्री के आदेश के बाद सभी बसों के ठहराव के आदेश दे दिए गए हैं। बाकायदा एक कर्मचारी की ड्यूटी भी लगाई गई है। **-नवीन कुमार, महाप्रबंधक, हरियाणा रोडवेज महेंद्रगढ़ डिपो।**